



भारतीय वानिकी अनुसंधान  
एवं शिक्षा परिषद्

# वानिकी समाचार

वर्ष 10 अंक 5  
मई 2018

## अनुक्रमणिका

- पृ.सं. शीर्षक
- 01 → महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
  - 02 → प्रकाशन
  - 02 → गणमान्य व्यक्तियों का दौरा
  - 03 → परामर्शी
  - 03 → कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
  - 05 → प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - 06 → विदेश दौरे
  - 06 → महानिदेशक के दौरे
  - 06 → प्रदर्शन कार्यक्रम
  - 07 → विविध
  - 07 → मानव संसाधन समाचार

## महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष:

### वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- परियोजना "अधिभारित ढेरों/खनित क्षेत्रों पर बी.सी.सी.एल. द्वारा लिए गए पारिस्थितिकीय पुनरुद्धार के कार्यों पर एक तकनीकी सलाहकार/विशेषज्ञ के रूप में कार्य" के अंतर्गत पुनरुद्धारित स्थलों का मृदा सूक्ष्मजीव-बायोमास विश्लेषण प्रगति पर है।
- स्लाइडों पर आरूढ़ *एपेनटेलिस* स्पप. के 25 नमूने तथा *एपेनटेलिस* की 5 प्रजातियों यथा *ए. क्रीएटोनोटी*, *ए. रुइडस*, *ए. आर्टोनी*, *ए. कैलिसिनी*, *ए. निओकजनी* को प्रजाति स्तर तक अभिज्ञात किया गया। परियोजना "उत्तराखण्ड और हरियाणा से कीटडिंभ *परजीव्याभ*, *एपेनटेलिस* स्पप. (हाइमेनोपेट्रा : ब्रैकोनिडी) की परपोषी रेंज तथा वर्गिकी पर अध्ययन" के अंतर्गत स्लाइड बनाने तथा अन्य *एपेनटेलिस* स्पप. का प्रजाति चिन्हीकरण प्रगति में है।
- *क्लोरोफोरस एनयुलेरिस* के जीवविज्ञान एवं पालन, नियंत्रण उपायों, उनके द्वारा आक्रमण की व्यापकता व प्रबलता पर अध्ययन जारी है। क्षेत्र से संक्रमित बांस प्रजातियां एकत्रित की गईं, परीक्षित की गईं तथा काष्ठ, चिमनी व बाहरी पिंजरों में बंद की गईं। परियोजना "क्लोरोफोरस एनयुलेरिस फैंब (कोलियोप्टेरा : सिरामबाइसिडी) का महामारी विज्ञान एवं प्रबंधन – कटे व सूखे बांसों का एक मुख्य छेदक" के अंतर्गत क्षतिग्रस्त बांस प्रजातियों का सर्वेक्षण एवं एकत्रण प्रगति पर है।

- टिड्डे की 150 प्रजातियों को डिजीटलीकृत किया गया। परियोजना "वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (एन.एफ.आई.सी.) का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन, फेज-II (सूक्ष्म कीट)" के अंतर्गत आंकड़ा भंडार में आंकड़े रखने वाली संपादित प्रजातियों के आंकड़ों को अद्यतनीकृत किया गया तथा *मधुका लोंगीफोलिआ* के पर्णों पर छिद्र अर्बुद (गॉल) बनाने वाली यूलोफिड प्रजातियों पर कार्य प्रगति पर है।
- विभिन्न संगठनों (जी.बी. पंत विश्वविद्यालय एवं विमको) के पोपलर कृन्तकों को एकत्रित किया गया। परियोजना "पोपलर पर्ण निष्पत्रक, *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* बट के विरुद्ध सहिष्णुता हेतु पोपलर कृन्तकों की जांच" के अंतर्गत पौधशाला रेंज तैयार की गई तथा कृन्तकों का अनुरक्षण प्रगति पर है।

### वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर :

- परियोजना "मलाइना आर्बोरिआ राइजोमाइक्रोबायोम : एक सक्षम पादप वृद्धि विकासक तथा पादप रोगाणुजनक कवक, *फ्यूजेरियम ऑक्सीपोरम* के विरुद्ध प्रतिरोधी घटक" के अंतर्गत *मेलिना आर्बोरिआ* के राइजोस्फेयर से संबद्ध विभिन्न लाभकारी सूक्ष्मजीवों की स्थिति पर जांच तथा मृदा जनित पादप रोगाणु *फ्यूजेरियम ऑक्सीपोरम* के विरुद्ध उनके पादप वृद्धि विकासक (पी.जी.पी.) गुणों तथा जैव नियंत्रण प्रभावशीलता की पात्रे परिस्थितियों में जांच से 5 एक्टीनोमाइसिटिस, 10 बैक्टीरिया तथा कवक, विभिन्न आकारकीय विशेषताओं के साथ ज्ञात हुए। पात्रे-परिस्थितियों के अंतर्गत इन सूक्ष्मजीवों की विभिन्न पादप वृद्धि विकासक (पी.जी.पी.) गुणों जैसे फॉस्फेट घुलनशीलता प्रभावकारिता तथा पादप हार्मोन (आई.ए.ए.) हेतु जांच की गई। अधिकतम

फॉस्फेट घुलनशील प्रभावकारिता तथा 2 एक्टिनोमाइसेस पृथक, 2 बैक्टीरियल पृथक तथा 1 कवक में दर्ज की गई। इसी प्रकार, आई.ए.ए. उत्पादन की महत्वपूर्ण मात्रा एक्टिनोमाइसेस, इसके बाद कवक तथा बैक्टीरिया में भी महसूस की गई। इन निष्कर्षों के आधार पर प्रभावित पृथकों की चयनित पादप रोगजनक कवक एफ. ऑक्सीपोरम के विरुद्ध उनके जैव-नियंत्रण प्रभावकारिता के परीक्षण हेतु अग्रतर जांच की गई तथा यह ज्ञात हुआ कि एक्टिनोमाइसेस पृथक ने अधिकतम निरोधात्मक प्रभाव (ए3-76%), प्रदर्शित किया। उसके बाद कवक पृथक (एफ9-70%) और बैक्टीरियल पृथक (बी3-51%) था। संभावित पृथकों को उनके रासायनिक एवं जैवरासायनिक गुणों के आधार पर स्ट्रेप्टोमाइसेस प्रजा. (ए3); पेनिसिलियम प्रजा. (एफ9) तथा राइजोबियम प्रजा. (बी3) के रूप में चिन्हित किया गया। इन संभावित पृथकों का जैव-उर्वरक तथा जैव-नियंत्रण उत्पादों के लिए पौधशाला तथा क्षेत्र-परिस्थितियों में, मृदा तथा जड़ जन्मित रोगाणुओं के प्रबंधन के साथ-साथ आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्षों तथा औषधीय पादपों की वृद्धि तथा उत्तरजीविता में सुधार हेतु परीक्षण किया जाएगा।

### शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर :

- 6 नर एवं मादा अरडू पर्ण ट्राइकोमोस के आकड़ों के विश्लेषणों से ज्ञात हुआ कि मादा (लगभग  $11.0 \pm 0.5$ , मध्य  $22.0 \pm 0.6$  तथा आधार  $10.6 \pm 0.6$  मि.मी<sup>2</sup>) की तुलना में नर में पर्ण के समस्त हिस्सों में प्रति इकाई क्षेत्र मिमी<sup>2</sup> में ट्राइकोमों की औसत संख्या (लगभग  $18.5 \pm 1.1$ , मध्य  $17.7.4 \pm 0.4$  तथा आधार  $9.0 \pm 1.2$  एम.एम.<sup>2</sup>) अधिक है।
- ऊपरी 0-30 से.मी. मृदा नमूनों (जोजरी, बांदी तथा लूनी नदियों के किनारों से एकत्रित) में मृदा पी.एच., विद्युत चालकता, मृदा में उपलब्ध फॉस्फोरस, अमोनियम नाइट्रोजन, नाइट्रेट नाइट्रोजन तथा विनिमय पोटेशियम क्रमशः 8.62 इकाई, 4.01 डीएसएम<sup>-1</sup>, 16.21 मिग्रा. क्रिगा.<sup>-1</sup>, 2.83 मिग्रा. किग्रा.<sup>-1</sup>, 1.21 मिग्रा. किग्रा.<sup>-1</sup>, तथा 219.2 मिग्रा. किग्रा.<sup>-1</sup> थे। 30-60 सेमी. में क्रमशः मान 8.33 इकाई, 2.46 डीएसएम<sup>-1</sup>, 9.65 मिग्रा. किग्रा.<sup>-1</sup>, 1.60 मिग्रा. कि.ग्रा.<sup>-1</sup> 0.75 मिग्रा. कि.ग्रा.<sup>-1</sup> तथा 189.9 मिग्रा. कि.ग्रा.<sup>-1</sup> था। बांदी नदी के आस पास की मृदा में मृदा पी.एच., विद्युत

चालकता तथा मृदा में उपलब्ध  $PO_4-P$  अधिकतम थे, जबकि जोजरी नदी के आस-पास उपलब्ध अमोनियम नाइट्रोजन, नाइट्रेट तथा पोटेशियम अधिकतम थे। जोजरी नदी के आस पास मृदा पी.एच न्यूनतम था, लूनी नदी के आस पास ई.सी.,  $PO_4-P$  तथा  $K$  न्यूनतम था, तथा बांदी नदी के किनारे उपलब्ध  $NH_4-N$  तथा  $NO_3-N$  न्यूनतम थे। यह पश्चिमी राजस्थान में इन नदियों के साथ बहने वाले बहिःस्राव तथा इनके किनारे जलवायुवीय परिस्थितियों से मृदा प्राचलों की वृहद विविधता को इंगित करता है।

### हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला :

- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला- बाह्य वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत इस वर्ष के दौरान जम्मू प्रान्त के चीड़ देवदार वनों में संग्रह हेतु सर्वेक्षण किए गए, जिसके अन्तर्गत कुल 203 नमूनों तक संग्रहण किया गया। इस संग्रह को वर्गीकृत करने के बाद 57 विभिन्न प्रजातियों के नॉक्टिडी पंतगों की क्षेत्र उपस्थिति ज्ञात हुई। वितरण स्थिति आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषणों से, हेलिकोवर्पा आर्मिजेरा, प्ल्यूसिओडोंटा औरीपिक्टा, यूप्रोविटस विटेला, थायसेनोप्लूसिआ निग्रिसिन्हा, एसोटा केरिसी, ट्राईकोप्लूसिआ औरीचैलसिआ, एमिनै टप्रोबानिस, क्रेटोनोटोस ट्रानिंस, डाकोमिआ पुल्लाटा, स्पाइलोसोमा ओबलिकवा, कैलिप्टेरा इमरजिनाटा, डिसगोनिआ लेटिफैससिआ, यूक्सोआ एक्वुएलिस, एग्रोटिस इपिसिलोन, हाइपोकाला डिप्लोरेटा, ओलिपा रिसिनी, डाईगामा हिएरसियाना, एलोए प्रजा., हाएपेना अबूसिमिलिस, फेडिना पुल्लूला, लिम्फमना एटैरनैस, एर्जिना एस्ट्रीआ, यूपटेरोटे प्रजा., स्याना पुयेला, की उपस्थिति क्षेत्र में सबसे प्रमुख रूप से ज्ञात हुई।

### प्रकाशन:

- व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बटूर ने 22 मई 2018 को, वन आनुवंशिकी संसाधन तथा वृक्ष सुधार पर पर्यावरणीय सूचना प्रणाली केन्द्र द्वारा तैयार "प्रिसीयस ट्रीज ऑफ इंडिया-सीरीज II" पर ब्रॉशर को विमोचित किया।

### गणमान्य व्यक्तियों का दौरा:

- श्री सिद्धान्त दास, भा.व.से., महानिदेशक वन तथा विशेष सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय; डॉ. सुरेश गैरोला, भा.वा.से. महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून तथा डॉ. सविता, भा.व.से., निदेशक, व.अ.सं. देहरादून ने 7 मई 2018 को व.आ.वृ.प्र.सं. का दौरा किया।

**परामर्शी:**

**भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून**

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथॉरिटी; उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि.; पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, नोएडा; सी.एम.पी.डी.आई. रांची तथा एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद द्वारा प्रदत्त 11 परामर्शी परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

**कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें:**

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
<b>वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून</b>			
1.	जैव विविधता संरक्षण तथा इसका उपयोजन	29 मई 2018	41 प्रतिभागी
<b>वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर</b>			
2.	तन्यक पारितंत्रों की ओर : वानिकी अनुसंधान की भूमिका	8 और 9 मई 2018	—
<b>शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर</b>			
3.	पर्यावरण तथा प्लास्टिक प्रदूषण	1 दिन	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, राज्य वन विभाग, राजस्थान के कार्मिक तथा गैर सरकारी संगठन
4.	हितधारकों की परामर्शी कार्यशाला	12 मई 2018	55 हितधारक, वन अधिकारी, काष्ठ उद्योग, कृषक, गैर सरकारी संगठन, शोधार्थी इत्यादि



वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में जैवविविधता संरक्षण तथा इसके उपयोजन पर संगोष्ठी



शु.व.अ.सं., जोधपुर में हितधारकों के परामर्श पर कार्यशाला

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- |    |                            |            |                                                                                           |
|----|----------------------------|------------|-------------------------------------------------------------------------------------------|
| 5. | क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन | 17 मई 2018 | वानिकी अनुसंधान तथा विकास से संबंधित शैक्षणिक समुदाय के सदस्य सरकारी तथा गैर सरकारी संगठन |
|----|----------------------------|------------|-------------------------------------------------------------------------------------------|



व.व.अ.सं., जोरहाट में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- |    |                                                                    |                 |                                                               |
|----|--------------------------------------------------------------------|-----------------|---------------------------------------------------------------|
| 6. | जुनिपर हेतु पौधशाला विकास तथा बीज प्रौद्योगिकी                     | 16 मई 2018      | सरहन वन्यजीव प्रभाग के अधिकारी तथा क्षेत्र कार्मिक            |
| 7. | आजीविका समर्थन तथा आर्थिक विकास हेतु वन तथा वन उत्पादों का प्रबंधन | 4 और 29 मई 2018 | वैज्ञानिक, अधिकारियों सहित अनुसंधान तथा तकनीकी सहायता कार्मिक |


वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- |    |                                                          |            |                                                                                                     |
|----|----------------------------------------------------------|------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 8. | पूर्वोत्तर क्षेत्रों की अनुसंधान आवश्यकताओं का चिन्हीकरण | 15 मई 2018 | राज्य वन अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर सरकारी संगठन, प्रगतिशील कृषक, संस्थानों से शोधार्थी तथा शिक्षाविद् |
| 9. | संवेदनशील औषधीय पादपों का प्रवर्धन एवं संरक्षण           | 30 मई 2018 | सभी अधिकारी/वैज्ञानिक/तकनीकी कार्मिक/अनुसंधान अध्येता, इत्यादि                                      |

आजीविका विस्तार हेतु वन अनुसंधान केन्द्र, अगरतला

- |     |               |            |                          |
|-----|---------------|------------|--------------------------|
| 10. | परामर्शी बैठक | 28 मई 2018 | बांस क्षेत्र में हितधारक |
|-----|---------------|------------|--------------------------|

**प्रशिक्षण:**

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
<b>वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर</b>			
1.	सूक्ष्मजैविकी, भौगोलिक सूचना प्रणाली तथा सुदूर संवेदन	14 से 30 मई 2018	—
2.	वन आनुवंशिकी प्रजातियों का जैवपूर्वक्षण मापांक तथा आण्विक एवं जैव रासायनिक लक्षण-वर्णन	28 से 30 मई 2018	—
3.	वन बीज प्रौद्योगिकी	29 तथा 30 मई 2018	राज्य वन विभाग से ए.सी.एफ., कासफोस के 41 प्रशिक्षु
<b>वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट</b>			
4.	जंगली खाद्य मशरूमों की कृषि	1 से 5 मई 2018	लगभग 17 प्रतिभागी
			
व.व.अ.सं., जोरहाट में जंगली खाद्य मशरूमों की कृषि			
<b>वन उत्पादकता संस्थान, रांची</b>			
5.	कृषि वानिकी के माध्यम से आजीविका सृजन	2 मई 2018	40 कृषक तथा अररिया वन प्रभाग, अररिया के 01 वन पदाधिकारी
6.	कृषि वानिकी प्रणालियां तथा आजीविका सृजन	05 मई 2018	26 कृषक तथा तिरहुत वन प्रभाग, तिरहुत के 01 वन कार्मिक

## विदेश दौरे:

अधिकारी का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	स्थान
डॉ. वी.पी. तिवारी, निदेशक	हि.व.अ.सं., शिमला	वन पारितंत्र वसंत कार्यशाला-2018	22-25 मई 2018	बीजिंग, चीन

## महानिदेशक के दौरे:

- डॉ. सुरेश गैरोला, भा.व.से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून तथा कुलाधिपाति वन अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय, देहरादून ने 1 मई 2018 को व.उ.सं., रांची का दौरा किया।



डॉ. सुरेश गैरोला, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने व.उ.सं., रांची का दौरा किया

## प्रदर्शन कार्यक्रम:

- व.अ.सं., देहरादून ने डॉल्फिन पी.जी. कॉलेज, देहरादून के बी.एस.सी. कृषि छात्रों को "वन मौसमविज्ञान वेधशाला" पर प्रदर्शन दिया। इन छात्रों को मृदा संग्रहालय तथा प्रयोगशालाओं से भी परिचित कराया गया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने सराहन वन्यजीव प्रभाग के क्षेत्र कार्मिकों के लाभ हेतु 17 मई 2018 को वन पौधशाला रकछम, किन्नौर (हि.प्र.) में कुटकी- बहुगुणन की वृहद-प्रवर्धन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।



वन पौधशाला रकछम, किन्नौर (हि.प्र.) में कुटकी बहुगुणन की वृहद-प्रवर्धन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

**विविध:**

स्थान	विशेषदिन / विषयवस्तु	समयावधि
व.अ.सं., देहरादून	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	11 मई 2018
व.अ.सं., देहरादून		
शु.व.अ.सं., जोधपुर		
व.व.अ.सं., जोरहाट	अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस	22 मई 2018
हि.व.अ.सं., शिमला		
व.उ.सं., रांची		
व.अ.के.-आ.वि., अगरतला		
व.उ.सं., रांची		18 मई 2018
हि.व.अ.सं., शिमला	स्वच्छ भारत अभियान	30 मई 2018
व.अ.के.-बां.वे., आइजॉल		31 मई 2018



व.अ.सं., देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया



व.व.अ.सं., जोरहाट में अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस मनाया गया



व.अ.स.के.-बां. वे., आइजॉल में स्वच्छ भारत अभियान मनाया गया

**मानव संसाधन समाचार:**

प्रत्यावासन अधिकारी का नाम	प्रत्यावासन की तिथि
सुश्री प्रनीता पॉल, भा.व.से., उ.व.सं., का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	31.05.2018
सेवानिवृत्ति / स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति	
अधिकारियों का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री राम बहादुर सिंह, स.मु.त.अ., व.अ.सं., देहरादून	31.05.2018
श्री पी.के. कपूर, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय	31.05.2018
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति	
डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, वैज्ञानिक-ई, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	12.05.2018

स्थानांतरण अधिकारी का नाम	से	को
डॉ. गीता जोशी, वैज्ञानिक-एफ	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	उ.व.असं., जबलपुर
डॉ. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-एफ	उ.व.अ.सं., जबलपुर	व.उ.सं., रांची
डॉ. एन. बाला, वैज्ञानिक- एफ	शु.व.अ.सं., जोधपुर	व.अ.सं., देहरादून
डॉ. अरुण कुमार, ए.एन., वैज्ञानिक-ई	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	उ.व.अ.सं., जबलपुर
डॉ. एस. सरवणन, वैज्ञानिक-ई	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	उ.व.अ.सं., जबलपुर
डॉ. प्रवीण, वैज्ञानिक-ई	व.अ.सं., देहरादून	शु.व.अ.सं., जोधपुर
डॉ. महेश्वर टी. हेगड़े, वैज्ञानिक-ई	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	शु.व.अ.सं., जोधपुर
डॉ. माला राठोड़, वैज्ञानिक-ई	शु.व.अ.सं., जोधपुर	व.अ.सं., देहरादून

अधिकारी का नाम	पुराना कर्तव्य स्थान	नवीन कर्तव्य स्थान
डॉ. रश्मि, वैज्ञानिक-ई	व.अ.सं., देहरादून	शु.व.अ.सं., जोधपुर
डॉ. राकेश कुमार, वैज्ञानिक-ई	व.अ.सं., देहरादून	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु
डॉ. नीलू सिंह, वैज्ञानिक-ई	उ.व.अ.सं., जबलपुर	व.अ.सं., देहरादून
डॉ. हरीश कुमार, वैज्ञानिक-ई	भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय)	व.अ.सं., देहरादून
डॉ. आर. ईजहुमलाइ, वैज्ञानिक-डी	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	व.अ.सं., देहरादून
डॉ. पवन कुमार, वैज्ञानिक-डी	हि.व.अ.सं., शिमला	उ.व.अ.सं., जबलपुर
डॉ. सुबास चंद्र, वैज्ञानिक-डी	उ.व.अ.सं., जबलपुर	हि.व.अ.सं., शिमला
श्री नीलेश यादव, वैज्ञानिक-डी	व.अ.सं., देहरादून	उ.व.अ.सं., जबलपुर
श्री ए.के. सिन्हा, वैज्ञानिक -डी	शु.व.अ.सं., जोधपुर	भा.वा.अ.शि.प (मुख्यालय)

**संरक्षक:**

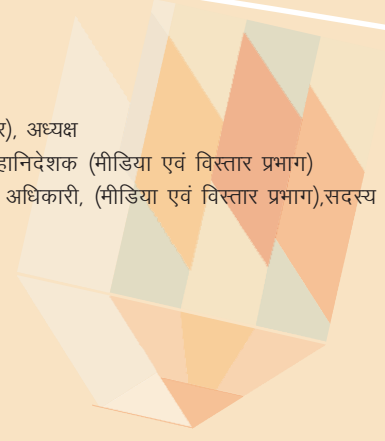
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक


**संपादक मंडल:**

श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)

श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य





**प्रत्याख्यान**

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों की अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।